अमर उजाला

नई दिल्ली, बुधवार, ०९/११/२०१६, पृष्ठ-४

लिवर प्रत्यारोपण

नई दिल्ली। एक ब्रेन डेड मरीज के लिवर को प्रत्यारोपण के लिए इंदौर से दिल्ली एम्स लाया गया, लेकिन एम्स में लिवर प्रत्यारोपण नहीं हो पाया। इसके बाद लिवर को अपोलो भेजा गया, लेकिन यहां के चिकित्सकों ने भी प्रत्यारोपण करने से इनकार कर दिया। इसके बाद लिवर दिल्ली सरकार के इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बैलियरी साइंसेज भेजा गया और वहां पर दिल्ली के ही 50 वर्षीय मरीज का सफलतापूर्वक लिवर प्रत्यारोपण किया गया।

दैनिक जागरण

नई दिल्ली, बुधवार, ०९/११/२०१६, पृष्ठ-६

इंदौर से एम्स लाया गया लिवर, मगर आइएलबीएस में प्रत्यारोपण

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : मध्य प्रदेश के इंदौर में एक व्यक्ति के ब्रेन डेड होने के बाद एम्स के डॉक्टर लिवर लेकर दिल्ली आए, पर संस्थान में उसे प्रत्यारोपित नहीं किया गया। अपोलो में भी लिवर का इस्तेमाल नहीं हो सका। इसके बाद वसंत कुंज स्थित यकृत व पित्त विज्ञान संस्थान (आइएलबीएस) में एक 50 वर्षीय मरीज को उस लिवर को प्रत्यारोपित किया गया। आइएलबीएस के डॉक्टरों का कहना है कि मरीज के स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है। हालांकि पूरे मामले पर एम्स प्रशासन कुछ भी बोलने को तैयार नहीं है।

◆ एम्स प्रशासन कुछ भी बोलने को तैयार नहीं

राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (नोटो) को सोमवार को इंदौर में अंगदान की सूचना मिली थी। वहां ब्रेन डेड व्यक्ति की किडनी, लिवर और हृदय का दान किया गया। एम्स ने हृदय प्रत्यारोपण के लिए मरीज उपलब्ध नहीं होने के कारण हृदय लाने से इन्कार कर दिया। इसलिए हृदय मुंबई में ले जाकर प्रत्यारोपित किया गया। नोटो के निदेशक डॉ. विमल भंडारी ने कहा कि लिवर पहले एम्स को आवंटित किया गया। एम्स की टीम इंदौर से लिवर लेकर आई, पर किसी वजह से वहां प्रत्यारोपित नहीं हुआ। बाद में लिवर आइएलबीएस को आवंटित किया गया, ताकि अंगदान में मिला लिवर बेकार न होने पाए। एम्स के प्रवक्ता डॉ. अमित गुप्ता से बात करने की कोशिश की गई। उनके मोबाइल पर मैसेज भी किया गया, पर जवाब नहीं मिला। अपोलो के एक डॉक्टर ने कहा कि लिवर फैटी था इसलिए प्रत्यारोपण नहीं किया गया।

दैनिक भास्कर

नई दिल्ली, बुधवार, ०९/११/२०१६, पृष्ठ-११

एक्सीडेंट से ब्रेन डेड सुनील का दिल मुंबई और लिवर दिल्ली में हुआ ट्रांसप्लांट

भास्कर न्यूज | इंदौर

शहर में मंगलवार को 11वीं बार ग्रीन कॉरिडोर बना। बड़ी ग्वालटोली के 45 वर्षीय सुनील परूलिया का दिल फोर्टिस हॉस्पिटल मुंबई, लिवर एम्स दिल्ली भेजा जाएगा। हालांकि एम्स में किसी पैसेंट से ब्लड ग्रुप, टिश्यू आदि मैच नहीं होने पर वहीं के आईएलबीएस अस्पताल को लिवर दिया गया। दिल मुंबई में 45 वर्षीय व्यक्ति को ट्रांसप्लांट किया गया। किडनियां शहर के ही दो अस्पतालों को दी गई। इंदौर ऑर्गन डोनेशन सोसायटी ने पहली बार लंग्स डोनेशन की कोशिश की, लेकिन चिकित्सकीय कारणों से संभव नहीं हो पाया। एक साल में यह सातवां मौका है जब इंदौर से दिल दूसरे शहर भेजा गया और सफल ट्रांसप्लांट हुआ।

एक साथ बने तीन कॉरिडोर

- पहला ग्रीन कॉरिडोर चोइथराम अस्पताल से 11.15 बजे एयरपोर्ट के लिए बनाया गया।
- दूसरा कॉरिडोर चोइथराम से एयरपोर्ट के लिए 11.45 बजे बना। अस्पताल से 12 मिनट में 11.57 बजे लिवर एयरपोर्ट पहुंचा। वहां से प्लेन से इसे दिल्ली भेजा गया।
- वहीं, तीसरा कॉरिडोर चोइथराम से बॉम्बे अस्पताल के बीच दोपहर 12.10 बजे बनाया गया।